YMCA CENTURY SCHOOL

Class 8 Hindi lit . lesson 5 रंग जाती एक ऋतु

शब्द अर्थ

तृप्त- संतुष्ट

अनायास- बिना प्रयास ,अपने आप

अनगिनत -असंख्य

झेल -सहना

बाखाना- प्रशंसा की, वर्णन किया

मौखिक प्रश्न उत्तर

1-फूल को देखकर कवि को क्या अनुभव हुआ?

उत्तर- फूल को देखकर कवि का मन संतोष से भर गया।

प्रश्न- कवि ने वसंत ऋतु को धन्य क्यों माना?

उत्तर- कवि ने वसंत ऋतु को धन्य माना क्योंकि उनके अनुसार फूलों को खिलाने और महकाने का सारा श्रेय वसंत ऋतु को ही जाता है।

प्रश्न- नन्हे फूल ने कवि से क्या कहा?

उत्तर- नन्हे फूल ने कवि से कहा सुनो हमने इस ऋतु की धन्यता मिलकर रची है ।

प्रश्न -लौ तथा अंधेरा किसके प्रतीक हैं?

उत्तर- लौ जीने की तीव्र इच्छा और अंधेरा जीवन के विपरीत परिस्थितियों के प्रतीक हैं ।

लिखित

प्रश्न -खींच गई गंध की लकीर सी द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं ?

उत्तर -फूलों से उठी सुगंध कवि के नथुने से होती हुई भीतर मन तक फैल गई ऐसा लगा जैसे सुगंध किसी रेखा के सहारे मन में उतर गई हो।

प्रश्न -फूलों के रंगों से कवि को रंगों की बरसात का अनुभव क्यों होने लगा?

उत्तर -चारों ओर विविध रंगों के फूलों को देखकर कवि ने अनुभव किया कि जिस तरह बरसात में अनगिनत बूंदे मिलकर बरसती हैं उसी प्रकार अनेक फूलों ने मिलकर धरती पर रंग ही रंग बिखेर दिए हैं।

प्रश्न -फूल ने अपनी किन-किन कठिनाइयों का वर्णन किया?

उत्तर- फूल ने सूरज की तेज किरणों की गर्मी अपने कोमल डंठल पर खड़े होकर सहन की यह उसकी मेहनत ही है जो वह केवल एक तंतु के बल पर झेलने के लिए खड़ा रहा।

प्रश्न- सूरज को तपा है पूरी आयु एक पाव पर" का भावार्थ क्या है ?

उत्तर -फूल ने अथक परिश्रम किया मिट्टी के अंधेरे को छोड़कर बाहर निकला। धूप का ताप सहा, बरसात में वर्षा की मार सही जाड़े में पाले में भी साहस पूर्वक खड़ा रहा ।

प्रश्न -तुमसे भी रंग जाती एक ऋतु फूलने कवि से ऐसा क्यों कहा ?

उत्तर- फूलने कवि को अथक परिश्रम करने और जीने की तीव्र इच्छा का मंत्र दिया और सच्चाई से परिचित कराया और कहा कि वह भी अपने कार्यों से आसपास के वातावरण को सुंदर बना सकता है ।

प्रश्न- इस कविता द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहते हैं ?

उत्तर- इस कविता द्वारा कवि संदेश देना चाहते हैं कि मन में एक उद्देश्य निर्धारित कर बाधाओं का दृढ़ता पूर्वक सामना करते हुए लगन और परिश्रम से लक्ष्य को प्राप्त करना चाहिए ।

मूल्यपरक प्रश्न

1- क्या आप इससे सहमत हैं कि परिश्रम का फल अवश्य मिलता है?

उत्तर -जी हां परिश्रम कभी व्यर्थ नहीं जाता देर सवेर इसका फल अवश्य मिलता है कभी-कभी तुरंत फल ना मिलने से मनुष्य निराश हो जाता है और परिश्रम करना छोड़ देता है यह उचित नहीं है मनुष्य को निराश नहीं होना चाहिए।

सही विकल्प चुनकर ✓ लगाइए—

क. कवि का जी कैसे तृप्त हो गया?

- ☐ वसंत ऋतु की सुंदरता देखकर
- ☐ फूलों की खुशबू सूँघकर
- ☑ क्यारी में रंग-बिरंगे फूल देखकर
- ☐ बगीचे में घूमकर

ख. वसंत ऋतु की धन्यता किसने रची है?

- ☐ मौसम ने
- ☑ फूलों ने
- ☐ खुशबू ने
- ☐ रंगों ने

ग. फूल को कवि से क्या शिकायत है?

- ☐ उसने फूलों की तारीफ़ नहीं की।
- ☐ उसने मौसम की तारीफ़ की है।
- ☑ उसने फूलों के संघर्ष को नहीं देखा।
- ☐ उसने वसंत को सराहा।

Values • facing tough challenges of life
• co-operation
• love for nature

● मूल्यपरक प्रश्न

क्या आप इससे सहमत हैं कि परिश्रम का फल अवश्य मिलता है।

भाषा-ज्ञान

• synonyms

1. इन शब्दों के **समानार्थी** पाठ से चुनकर लिखिए—

खुशबू —	सुगंध	सहसा —	अनायास
बारिश —	बरसात	संतुष्ट —	तृप्त
मौसम —	ऋतु	सरदी —	जाड़ा
सुमन —	फूल	सूर्य —	सूरज

• prefix

2. अनगिनत शब्द में अन उपसर्ग जोड़ा गया है। **अधि** (ऊपर), **अप** (बुरा, हीन), **अव** (नीचे, बुरा), **अभि** (सामने), **उप** (निकट, गौण), **सम्** (सहित) भी उपसर्ग हैं।

● इन **उपसर्गों** से एक-एक शब्द बनाइए—

अधि — अधिपति	अभि — अभिसार	अप — अपमान
उप — उपस्थिति	अव — अवगुण	सम् — संकल्प

• adjective-noun

3. **नन्हा फूल, अनगिनत साथी** — इन पदों में **नन्हा** तथा **अनगिनत** विशेषण हैं और **फूल** तथा **साथी** विशेष्य हैं।

● इन पदबंधों से **विशेषण** और **विशेष्य** अलग कर लिखिए—

रंग-बिरंगे फूल, छोटा-सा सत्य, सुगंधित हवा, संतुष्ट व्यक्ति, गंभीर प्रश्न, छोटी-छोटी आँखें

विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य
फूल ⇄	रंग-बिरंगे	संतुष्ट	व्यक्ति
छोटा सा	सत्य	गंभीर	प्रश्न
हवा ⇄	सुगंधित	छोटी-छोटी	आँखें

• verb

4. अंतर जानिए — रंग (वर्ण) संज्ञा शब्द है जबकि उससे बना **रँगना** क्रिया शब्द है जिसकी धातु है— रँग। इससे शब्द बने— रँग जाना, रँग देना, रँगाई।

● इसी प्रकार 'बंधन' शब्द से **क्रिया** के रूप बनाइए—

बंध जाना , बाँधना